अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वविज्ञ (वर्ष : 2023) दिनांक : 22.08.2023

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन सिद्धान्त दीपिका–30

प्र. 1 कोई पांच संस्कृत के सूत्रों का हिन्दी अर्थ लिखें– 10

(क) स्थितिरेषामनेकथा।

(ख) तैजस कार्मणे त्वनन्तगुणे।

(ग) रागद्वेषपरिणतिर्मोहः।

(घ) तदितरस्तु लौकिकः।

(ङ) तदर्थनिरपेक्षं संज्ञाकर्म नाम।

(च) प्रेयः सम्पादनमपि।

प्र. 2 निम्नलिखित पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– 10

(क) मिथ्यादृष्टि को गुणस्थान क्यों बतलाया गया है?

(ख) निवृत्ति और बादर का अर्थ स्पष्ट करें।

(ग) निरूपक्रमायु किसे कहते हैं और निरूपक्रमायु कौन होते हैं?

(घ) धर्म के तीन प्रकार अर्थ सहित लिखें।

(ङ) माध्यस्थ्य को परिभाषित करते हुए उसके पर्यायवाची शब्द लिखें।

(च) स्थापना निक्षेप का अर्थ बताते हुए उसके प्रकारों के नाम लिखें।

प्र. 3 कोई दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 10

(क) समुद्घात पर टिप्पणी लिखें।

(ख) धर्म लोकधर्म से भिन्न कैसे है?

(ग) द्रव्यनिक्षेप पर टिप्पणी लिखते हुए बतायें कि चार निक्षेपों में द्रव्य निक्षेप कौन-कौन से हैं?

गमा का थोकड़ा - 70

प्र. 4 कोई छः प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 6

(क) प्रथम नरक के नैरयिक यदि उत्तर वैक्रिय करे तो उनकी उत्कृष्ट अवगाहना कितनी होगी?

(ख) मनुष्य में पृथ्वीकाय की उत्पत्ति यंत्र में 3, 6, 9 गमक में परिमाण उत्कृष्ट में संख्यात किस अपेक्षा से है?

(ग) मनुष्य में त्रीन्द्रिय की उत्पत्ति यंत्र में जघन्य तीन गमक और उत्कृष्ट तीन गमकों के नाणत्ता में क्या अन्तर है?

(घ) मनुष्य में असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति में तीसरे गमक का उपपात द्वार अपेक्षा भेद से लिखें।

(ङ) कौन से देवलोक तक वेद द्वार में दो वेद हैं?

(च) मनुष्य में नौ ग्रैवेयक से उत्पत्ति में भव जघन्य-उत्कृष्ट कितने?

(छ) व्यंतर में तिर्यंच यौगलिक की उत्पत्ति में उत्कृष्ट अवगाहना कितनी व किस अपेक्षा से समझनी चाहिए?

प्र. 5 कोई पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 10

(क) मनुष्य में कितने व कौन से स्थानों से उत्पत्ति होती है?

(ख) मनुष्य में पांचवीं नरक के नैरयिक की उत्पत्ति का लेश्या द्वार अपेक्षा भेद से लिखें।

(ग) यंत्र 118 का नाणत्ता परस्पर अन्तर सहित बतायें।

(घ) मनुष्य में चार अनुत्तर विमान से उत्पत्ति में समुद्घात द्वार को स्पष्ट करें।

(ङ) मनुष्य में सर्वार्थसिद्ध के देवों की उत्पत्ति में गमक कितने बनते हैं और क्यों?

(च) अधपाव पल्य से क्या तात्पर्य है तथा यह किसी की स्थिति है?

प्र. 6 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर लिखें– 54

(क) मनुष्य में तीसरी नरक के नैरयिक की उत्पत्ति में उपपात तथा अवगाहना द्वार लिखें।

(ख) मनुष्य में अपकाय की उत्पत्ति में संस्थान से लेकर उपयोग द्वार तक लिखें।

(ग) मनुष्य में संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति में उपपात द्वार, दृष्टि द्वार तथा ज्ञान-अज्ञान द्वार लिखें।

(घ) यंत्र 124 का काय-संवेध द्वार लिखें।

(ङ) मनुष्य में चौथे माहेन्द्र देवलोक से उत्पत्ति यंत्र का अवगाहना और आयु द्वार लिखें।

(च) व्यंतर में मनुष्य यौगलिक की उत्पत्ति का कायसंवेध द्वार लिखें।

(छ) ज्योतिष्क में मनुष्य यौगलिक की उत्पत्ति यंत्र में अवगाहना, अनुबन्ध द्वार और नाणत्ता लिखें।

(ज) यंत्र 149 का उपपात व अवगाहना द्वार लिखें।

(झ) यंत्र 151 का प्रथम छः गमक का कायसंवेध द्वार लिखें।

(ञ) दूसरे देवलोक में मनुष्य यौगलिक की उत्पत्ति में अवगाहना, आयुद्वार एवं नाणता लिखें।

(ट) यंत्र 157 के अन्तिम तीन गमक का उपपात द्वार लिखें।